cooking gas connections to consumers, on a deposit of Rs. 4000/-;

(b) if so, the details thereof; and

(c) the number of such cooking gas connections released under the scheme upto March 31, 1996?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM & NATURAL GAS (T.R. BAALU): (a) and (b) Yes, Sir. As per the Tatkal Scheme introduced from March-April, 1995 IPG connection on demand is released immediately to the following categories of prospective customers against one time payment of non-refundable lump-sum amount of Rs. 4000/- besides payment of normal/applicable security deposit for loaned equipment as applicable for domestic consumers :

(A) Physically handicapped person.

(B) Doctors under medical profession.

(C) NRIs

(D) Staff of foreign nationality serving in embassies, consulates, trade commissioners.

(E) Foreign nationals residing in India under valid visa.

(F) Persons returning to India on transfer of residence basis.

(G) Retired defence personnel with in one year of their retirement.

(H) Professionals, namely, lawyers, Chartered Accountants, Chartered Engineers, Cost Accountants, Architects and Company Secretaries.

(I) Any person who has booked his LPG connection more than one year ago.

(c) Under Tatkal Scheme 56771 LPG connections had been released upto 31st March, 1996.

रसोई गैस की कमी का पता करने संबंधी मानदण्ड

2877. **श्री ईश दत्त यादव:**
श्री नागमणि:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा रसोई गैस की कमी का पता करने हेतु क्या मानदंड निर्धारित किए गए हैं;

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश सहित किन-किन क्षेत्रों में रसोई गैस की कमी के संबंध में सूचना मिली है; और

(ग) सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कार्यवाही की गई है?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री टी.आर. बालू): (क) आमतौर पर एल.पी.जी. डिस्ट्रीब्यूटरों को बुकिंग के 24 घंटों के भीतर रीफिल की सुपुर्दगी करनी होती है। डबल बाटल कनेक्शन के लिए बुकिंग को छोड़कर 24 घंटों से अधिक की सभी बकाया बुकिंग रीफिल बैकलाग मानी जाती हैं। इसके आधार पर तेल कंपनियों के फील्ड अधिकारी इस बैकलाग को निपटाने के लिए भरण संयंत्रों या आपात आपूर्तियों से आवश्यक आपूर्ति की व्यवस्था करके सुधारात्मक कार्रवाई करते हैं।

(ख) से (ग) उत्तर प्रदेश सहित देश में सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों के डिस्ट्रीब्यूटरों के यहां पंजीकृत एल.पी.जी. के वर्तमान उपभोक्ताओं की मांग कमोबेश पूरी तरह पूर्ण की जा रही है। कभी-कभार उत्पन्न होने वाले अस्थायी बैकलाग को बढ़ाए गए घंटों और अवकाश के दिनों में भरण संयंत्रों के प्रचालन के माध्यम से एल. पी.जी. की आपूर्ति में वृद्धि करके और समीपवर्ती क्षेत्रों में स्थित भरण संयंत्रों से आपूर्तियों की व्यवस्था करके निपटाया जाता है।

Collaboration with Global Agencies for development of NRSE

2878. SHRI PREM CHAND GUPTA: Will the Minister of SCIENCE & TECHNOLOGY be pleased to state:

(a) whether the Department of Science and Technology is collaborating with global agencies for the development of new and renewable sources of energy (NRSE);

(b) if so, what progress has been made; and

(c) what have been the results of our own R&D in this regard during the last five years?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PLANNING AND PROGRAMME IMPLEMENTATION AND THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY (SHRI YOGINDER K. ALAGH): (a) Ministry of Non-conventional Energy Sources (MNES) is collaborating with